डॉ. शशि भूषण
अतिथि सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग
एस. आर. ए. पी. कॉलेज,
बारा चकिया।

B. A. Part - 1
M. I. L.
HINDI

Date :- 11-02-2022

उपसर्ग और प्रत्यय

उपसर्ग — उपसर्ग भाषा के वे सार्थक लघुतम खण्ड हैं, जो शब्द के आरंभ में लगकर नए-नए शब्दों का निर्माण करते हैं। जैसे — अन् + आदर = अनादर,
दुर् + दिन = दुर्दिन,
बे + ईमान = बेईमान,
वि + नाश = विनाश आदि।

हिन्दी में तीन प्रकार के शब्द मिलते हैं- तत्सम, तद्भव तथा अन्य भाषाओं से आगत शब्द। इन तीनों कोटी के शब्दों में मूल शब्द भी हैं; जैसे कर्म (तत्सम), काम (तद्भव) तथा ईमान, रेल (विदेशी) तथा यौगिक या व्युत्पन्न शब्द भी जो मूल शब्दों में उपसर्ग या प्रत्यय जोड़कर बनाए जाते हैं।

प्रत्यय — भाषा के वे सार्थक खंड जो शब्द के अंत में जुड़कर नए-नए शब्दों का निर्माण करते हैं, 'प्रत्यय' कहे जाते हैं। जैसे —
आवश्यक + ता = आवश्यकता,
मूल + अक्कड़ = मुलक्कड़,
त्याग + ई = त्यागी,
फंदा + बाज = फंदेबाज़,
परीक्षा + क = परीक्षक,
खजाना + ची = खजानची आदि।

Scanned by CamScanner